संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

2026–2027

भाग अ परिचय				
कार्यक्रमः डिप्लोमा		**कक्षा : बी.ए.**	**सेमेस्टर: तृतीय**	**सत्र:** 2026.2027
विषयः हिंदी साहित्य				
1	**पाठ्यक्रम का कोड**			
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**हिंदी कहानी और उसका इतिहास**		
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	C-**4 मेजर कोरकोर्स (**Major Core Course-**1)**		
4	**पूर्वापेक्षा (**Prerequisite)	**इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने कला संकाय के हिंदी साहित्य विषय के साथ प्रमाण पत्र अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।**		
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (**CLO)	**भारत की ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति में ज्ञान केवल ग्रंथों या शास्त्रों के माध्यम से ही नहीं, बल्कि लोक कथाओं, पुराणों, जातक कथाओं, पंचतंत्र, पुरानी लोकगाथाओं और धार्मिक आख्यानों के माध्यम में भी पीढ़ी दर पीढी संचारित हुआ है। जब लेखन का प्रचलन नहीं था, तब गुरुजन कथा के माध्यम से ही धर्म, नीति, कर्म, विज्ञान, इतिहास और दर्शन का ज्ञान प्रदान करते थे। सुनकर कंठस्थ करने की इस प्रक्रिया ने कहानी को शिक्षण का प्रमुख साधन बनाया। ऋग्वेद, उपनिषदों और पुराणों में अनेक उपाख्यान मिलते हैं जैसे-नचिकेता की कथा, धृति-विक्रम की कथा, सावित्री-सत्यवान की कथा। ये सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि आदर्श चरित्र गढ़ने वाली प्रेरणात्मक कथाएँ थीं। पंचतंत्र विश्व की पहली नीति-कथाओं का संग्रह माना जाता है। इसी प्रकार जातक कथाएँ बुद्ध के पूर्वजन्मों की कहानियाँ थीं, जिनसे त्याग, करुणा, सत्य, साहस जैसे मूल्यों का प्रसार हुआ। रामायण और महाभारत स्वयं कथा-परंपरा के जीवंत प्रमाण हैं। इनके पात्र, प्रसंग और उपदेश लोकगीतों, लोककथाओं और लोकगाथाओं और लोकनाट्यों के रूप में सर्वत्र प्रचलित हैं। कहानी के कालजयी महत्व को ध्यान में रखते हुए ही यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है।** **पाठ्यक्रम के अध्ययन से-** **1. विद्यार्थी हिंदी कहनी की परम्परा से परिचित हो सकेगा।** **2. विद्यार्थी कहानी के माध्यम से समाज में व्याप्त समस्याओं से परिचित होते हुए समाधान की और अग्रसर होगा।**		

		3. विद्यार्थी को श्रेष्ठ कहानी के माध्यम से हिंदी साहित्य की समझ विकसित हो सकेगी। 4. वर्तमान तनावपूर्ण वातावरण में हिंदी कहानी के पठन से विद्यार्थी तनाव का विसर्जन करते हुए स्वयं की रचनात्मकता को विकसित कर सकेंगे।
6	क्रेडिट मान 100	सैद्धान्तिक - 6
7	कुल अंक	100 अंक न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35 सैद्धांतिक मूल्यांकन - 70 अंक आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

भाग ब पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):3 घण्टे प्रति सप्ताह (L-T-P: 3-0-0)
कुल व्याख्यान: 90

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई 1	भारतीय ज्ञान परम्परा में कथा साहित्य हिंदी कहानी स्वरूप और विकास: 1 कहानी का अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप 2. कहानी के प्रमुख तत्व 3. हिंदी कहानी का उद्भव और विकास गतिविधियां (निम्नलिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है) 1. भारत की प्राचीन कथा परंपरा पर परिचर्चा। 2. कहानी के महत्व पर समूह चर्चा।	18
इकाई 2	प्रेमचंद पूर्व युगीन प्रमुख कहानीकार एवं कहानियाँ प्रेमचंद पूर्व युगीन प्रमुख कहानियाँ व्याख्या और समीक्षा - कहानियाँ - 1. दुलाईवाली - राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला) 2. एक टोकरी भर मिट्टी - माधवराव सप्रे 3. ग्यारह वर्ष का समय - रामचंद्र शुक्ल गतिविधियां (निम्नलिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है)- 1. निर्धारित कहानी का वाचन। 2. एक कहानी का नाट्य रूपांतरण।	18

इकाई 3	**प्रेमचंद युगीन प्रमुख कहानीकार एवं कहानियाँ** **प्रेमचंद युगीन प्रमुख कहानियाँ व्याख्या और समीक्षा -** **कहानियाँ -** **1. 'उसने कहा था' - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी** **2. 'दुनिया का अनमोल रतन' - प्रेमचंद** **3 'आकाश दीप' - जयशंकर प्रसाद** **गतिविधियां (निसलिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है)-** **1. निर्धारित कहानी का वाचन ।** **2. किसी एक कहानी का नाट्य रूपांतरण।**	**18**
इकाई 4	**प्रेमचन्दोत्तर युगीन प्रमुख कहानीकार एवं कहानियाँ** **प्रेमचन्दोत्तर युगीन प्रमुख कहानियाँ व्याख्या और समीक्षा -** **कहानियाँ -** 1. **'अपना अपना भाग्य' - जैनेंद्र** 2. **'तीसरी कसम' फणीश्वरनाथ रेणु '** 3. **(रोज) 'गैंगरीन' – अज्ञेय** **गतिविधियां (निम्नलिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है)-** 1. **निर्धारित कहानी का वाचन।** 2. **किसी एक कहानी का नाट्य रूपांतरण।**	**18**
इकाई 5	**स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी के प्रमुख आंदोलन** **स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी के प्रमुख कहानीकार एवं कहानियाँ** **प्रमुख स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानियाँ व्याख्या और समीक्षा-** **कहानियाँ -** **1. 'आर्द्रा' - मोहन राकेश** **2. 'सिक्का बदल गया' - कृष्ण सोबती** **3. 'अकेली' - मन्नू भंडारी** **गतिविधियां (निम्नलिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है)-** **1. निर्धारित कहानी का वाचन।** **2. किसी एक कहानी का नाट्य रूपांतरण ।**	**18**

सार बिंदु (की बर्ड)/टैग: कथा साहित्य, कहानी, समानांतर कहानी, आधुनिक कहानी, नई कहानी आदि

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

पाठ्य पुस्तकें -

1 **मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी से प्रकाशित पुस्तकें**

2 **अनुपमा, डॉ. महादेवी और संस्मरणात्मक रेखाचित्र, अनुपमा, चौखम्बा प्रकाशन,वाराणसी**

3 **आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन,** 2019

4 **चतुर्वेदी, रामस्वरूप-हिंदी गद्य विन्यास और विकास- लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज** 2018

5 **नगेंद्र, डॉ. (संपा.) - हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली** 1978

6 **पदमा शर्मा, डॉ. सौंदर्य बोध और भारतीय चिंतन परम्परा आराधना बुक्स, कानपुर**

7 **रजनी गुप्त, डॉ. कथा में हस्तक्षेप, बोधि प्रकाशन, जयपुर**

8 **रामचन्द्र तिवारी, डॉ. हिंदी का गद्य साहित्य आनंद, मल्होत्रा ब्रदर, दिल्ली, सं-**1955

9 **शर्मा, डॉ शैलेंद्र कुमार (सम्पा.) , हिंदी कथा साहित्य ,मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल**

10 **सिंह, बच्चन सिंह आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज** 2019

अनुशंसित वेबसाइट एवं डिजिटल संपर्क-सूत्र :

1. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)
2. http://ignou.ac.in/eGyankosh
3. https://www.swayam.gov.in/
4. https://epustakalay.com
5. https://hindivishwa.org/
6. https://ugcmoocs.inflibnet.ac.in/
7. https://www.youtube.com

भाग द- अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ

अधिकतम अंक 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) **अंक:** 30 **मुख्य परीक्षा (**ME) **अंक:** 70

आंतरिक मूल्यांकन **सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE)		
आंकलनः **मुख्य परीक्षा** **समय** 03.00 **घंटे**	**अनुभाग (अ): अति लघुप्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)** **अनुभाग (ब): लघुप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)** **अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	03x02=06 03x02=06 03x02=06 **कुल अंक :70**

अन्य कोई टिप्पणी/सुझाव :